अपने सिक्के

देश विदेश में फैले अपनों को समर्पित !

(1) अपने हैं तो सपने हैं
राग, रंग, तराने हैं

(2) अपने हैं तो क्लेश है
द्:ख, स्ख, द्वेश है

(3) अपने हैं तो कामनाएं हैं
द्रोह, प्रेम, भावनाएं हैं

(4) अपने हैं तो भक्ति है
ग्लानी, उर्जा, शक्ति है

(5) अपने हैं तो उद्देश्य हैं
अर्थ, अनर्थ, आशय हैं

(6) अपने हैं तो अस्तित्व है
विष, अम्रत, तत्व है

(7) अपने हैं तो बंधन हैं
त्याग, मोह, स्पंदन हैं

(8) अपने हैं तो प्रीति है
प्रमीति, क्रति, रीति है

अपने नहीं तो क्या जीवन है?
अपने नहीं तो क्या मरण है?

समीर खांडेकर
22.01.2013